By : DEEPAK SADHWANI

DETAIL OF PAN CARD

पैन कार्ड सभी के पास होता है। आपके पास भी होगा। कहा जाता है कि पैन कार्ड बनवाना जरूरी है। चाहें ऑफिस में सैलेरी मिलने की बात हो या फिर बात हो आपके इक्रम टैक्स की पैन कार्ड की जरूरत तो आए दिन पड़ती ही रहती है। अब इतनी जरूरी चीज के बारे में तो आप जानना चाहेंगे ही। क्या आपको पता है कि यह इतना जरूरी क्यों होता है, या फिर इसके फायदे क्या हैं।

पैन कार्ड नम्बर एक 10 डिजिट का खास नम्बर होता है जो लैमिनेटेड कार्ड के रूप में आता है। इसे इक्रम टैक्स डिपार्टमेंट वाले उन लोगों को इश्यू करते हैं जो पैन कार्ड के लिए अर्जी देते हैं। पैन कार्ड बन जाने के बाद इक्रम टैक्स डिपार्टमेंट उस व्यक्ति के सारे ट्रानजैक्शन डिपार्टमेंट के पैन कार्ड से लिक्र हो जाते हैं। इनमें टैक्स पेमेंट, क्रेडिट जैसे कई फाइनैंशियल लेन-देन डिपार्टमेंट की निगरानी में रहते हैं।

इस नम्बर के पहले तीन डिजिट अल्रोजी के लेटर्स होते हैं यह AAA से लेकर ZZZ तक कोई भी लेटर हो सकता है। ताजा चल रही सीरीज के हिसाब से यह तय किया जाता है। यह नम्बर डिपार्टमेंट अपने हिसाब से तय करता है।

पैन कार्ड नम्बर का चौथा डिजिट भी अल्रोजी का ही एक लेटर होता है। यह पैन कार्ड धारी का स्टेटस बताता है।
इसमें-
P- एकल व्यक्ति
F- फर्म
C- क्रम्पनी
A- AOP(असोसिएशन ऑफ पर्सन)
T- ट्रस्ट
H- HUF (हिन्दू अनडिवाइडिड फामिली)
B-BOI (बॉडी ऑफ इन्डिवीजुअल)
L- लोकल
J- आर्टिफीशियल जुडीशियल पर्सन
G- गवर्नमेंट के लिए होते हैं।

पैन कार्ड नम्बर का पान्रवा डिजिट भी ऐसा ही एक अल्रोजी का लेटर होता है। यह लेटर पैन कार्ड धारक के सरनेम का पहला अक्षर होता है। यह सिर्फ धारक पर निर्भर करता है। गौरतलब है कि इसमें सिर्फ धारक का लास्ट नेम ही देखा जाता है।
इसके बाद पैन कार्ड में 4 नम्बर होते हैं। यह नम्बर 0001 से लेकर 9999 तक कोई भी हो सकते हैं। आपके पैन कार्ड के ये नम्बर उस सीरीज को दर्शाते हैं जो मौजूदा समय में इक्रम टैक्स डिपार्टमेंट में चल रही होती है। इसका आखिरी डिजिट एक अल्फाबेट चेक डिजिट होता है जो कोई भी लेटर हो सकता है।